स्वास्थ्य देखभाल

एनएसक्यूएफ स्तर 2 – कक्षा 10

एचएसएस 201 – एनक्यू 2014 : अस्पताल की संरचना और कार्य

छात्र कार्यपुस्तिका

पं. सुं. I. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, यामला हिल्स, भोपाल

© पं.सुं. वि. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, 2014

यह प्रकाशन का कॉपीराइट द्वारा सुरक्षित है। का कॉपीराइट अधिनियम द्वारा अनुमत प्रयोजनों के अलावा जनता द्वारा पूर्व लिखित अनुमति के बिना इसका पुनः उत्पादन, अंगीकार, इलेक्ट्रा निक भण्डार और सम्प्रेषण निषिद्ध है।

छात्र विवरण

छात्र का नाम : .....

छात्र का रोल नंबर : .....

बैच शुरू होने की तिथि : .....

आभार

हम श्री राजश्री भट्टाचार्य, आई. ए. एस. सचिव (एसई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार, श्रीमती राधा चौहान, आई. ए. एस., संयुक्त सचिव (एसई), विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, एमएचआरडी और श्रीमती अंकिता मिश्रा बुंदेला, आई. ए. एस., उप सचिव (वीई), विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, एमएचआरडी को उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सहायता के लिए हार्दिक आभार देते हैं। हम एमएचआरडी को इस पाठ्यचर्या के विकास हेतु परियोजना एवं राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (एनएसक्यूएफ) के तहत पाठ्य सामग्री को दिए गए वित्तीय समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करते हैं

हम प्रो. परवीन सिंक्लेयर, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), प्रो. आर. बी., शिवगुंडे, संयुक्त निदेशक, पं. सुं. ा. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) को उनके द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद देते हैं।

हम स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में इस पाठ्य सामग्री के विकास के लिए श्री एम के मिश्रा और श्री सतीश सी. पांडे, एमपीका न लि., भोपाल द्वारा संसाधन व्यक्ति और डा . सुखवंत सिंह, डा . जीतेंद्र बनवीर, डा . ऋचा मिश्रा, डा . रतन लाल पाटीदार, डा . संध्या सिंह, डा . आशीष आचार्य, श्री अशोक पाल, सुश्री प्रियंका आचार्य और सुश्री रश्मि मिश्रा द्वारा विशेषज्ञ के तौर पर दिए गए योगदान के प्रति आभारी हैं।

हम प्रो. पी. वी. पी. राव, प्रो. (श्रीमती) करेश प्रसाद, डा . (श्रीमती) लिली क्रिस्टोफर, श्रीमती सूज़न मनोज और डा . कुलदीप विरानी के प्रति आभारी हैं जिन्होंने सामग्री की समीक्षा तथा सुधार के लिए सुझावों के जरिए पर्याप्त योगदान दिया है।

हम डा . विनय स्वरूप मेहरोत्रा, प्रोफेसर और प्रमुख, पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन केन्द्र (सीडीईसी) और रा ट्रीय कौशल योग्यता (एनएसक्यूएफ) प्रको ठ, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल के प्रति आभारी हैं जिन्होंने पाठ्यचर्या, छात्र कार्य पुस्तिका और अध्यापक हस्तपुस्तिका के विकास में पर्याप्त योगदान दिया है।

विषय वस्तु तालिका

आभार		
प्रस्तावना		
आपकी कार्यपुस्तिका के बारे में		
सत्र 1 :	अस्पतालों की भूमिकाओं और कार्यों को समझना	
सत्र 2 :	अस्पताल में समर्थनकारी विभाग की भूमिका को समझना	
सत्र 3 :	अस्पतालों का वर्गीकरण	
सत्र 4 :	सामान्य ड्यूटी सहायक की भूमिका और कार्यों को समझना	
सत्र 5 :	सामान्य ड्यूटी सहायक की विशेषताओं को समझना	
शब्दावली		

प्रस्तावना

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में सिफारिश की गई है कि विद्यालयों में बच्चों के जीवन को विद्यालय के बाहरी जीवन के साथ जोड़ना अनिवार्य है। इस सिद्धांत के अनुसार किताबी अध्ययन की परंपरा छोड़ देनी चाहिए जो हमारे तंत्र को लगातार एक आकार देती आई है और विद्यालय, घर, समुदाय और कार्यस्थल के बीच अंतराल लाती है।

''अस्पताल की संरचना और कार्य'' पर यह छात्र कार्य पुस्तिका मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के एक प्रयास, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनवीईक्यूएफ) के कार्यान्वयन हेतु विकसित अर्हता पैकेज का भाग है, जिसमें विद्यालयों, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अपनाई जाने वाली राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अर्हता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशा निर्देश तय किए जाते हैं। यह संकल्पना की गई है कि एनवीईक्यूएफ से अर्हताओं की पारदर्शिता, विषम क्षेत्रीय अधिगम, छात्र केंद्रित अधिगम और छात्र को विभिन्न अर्हताओं के बीच चलनशीलता की सुविधा को बढ़ावा मिलेगा और इस प्रकार जीवन भर अधिगम को प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

यह छात्र कार्यपुस्तिका, जो कक्षा 8 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए व्यावसायिक अर्हता पैकेज का एक भाग है, इसे विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा बनाया गया था। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा अनुमोदित स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र कौशल परिषद (एचएसएससी) द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) का विकास किया गया। राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक प्रतिस्पर्द्धा मानकों और दिशानिर्देशों का एक सेट है जिसे कार्य स्थल में प्रभावी निष्पादन के लिए आवश्यक कौशलों तथा ज्ञान के आकलन एवं मान्यता देने हेतु स्वास्थ्य देखभाल उद्योग के प्रतिनिधियों द्वारा पृष्ठांकित किया गया है।

पं. सुंदरलाल ार्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र कौशल परिषद (एचएसएससी) के साथ मिलकर एनवीईक्यू के लिए स्तर 1 से 4 तक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में व्यावसायिक अर्हता पैकेज के लिए मा ड्यूलर पाठ्यचर्या और अधिगम सामग्रियों (इकाइयों) का विकास किया है, स्तर 1 कक्षा 9 के समकक्ष है। एनओएस के आधार पर मूल दक्षताओं (ज्ञान, कौशल और क्षमताएं) से संबंधित व्यावसाय को पाठ्यचर्या तथा अधिगम मा ड्यूल (इकाइयों) के विकास के लिए अभिज्ञात किया गया था।

इस छात्र कार्यपुस्तिका में प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की अनिवार्य नम्यता, विभिन्न विषय क्षेत्रों के बीच स्पष्ट सीमा रेखाओं को तोड़ने हेतु अनिवार्य माने गए अधिगम के रटने के पुराने तरीके को निरुत्साहित करने का प्रयास किया गया है। इस कार्य पुस्तिका में पूर्णता और आस पास नजर दौड़ाने के अवसरों, छोटे समूहों में चर्चा तथा स्वयं करने के अनुभव की आवश्यकता वाली गतिविधियों को स्थान तथा उच्च प्राथमिकता देकर इन प्रयासों को संवर्धित करने का प्रयास किया गया है। हमें आशा है कि इन साधनों से हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में बताई गई बाल केंद्रित शिक्षा प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकेंगे।

इस प्रयास की सफलता उन कदमों पर निर्भर करती है जो विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अध्यापक अपने अधिगम को दर्शाने तथा काल्पनिक और कार्य के दौरान की जाने वाली गतिविधियों तथा प्रश्नों को आगे बढ़ाने के लिए अपने बच्चों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाएंगे। कौशल विकास अभ्यासों और मान्यताओं एवं रचनात्मकता के पोषण में छात्रों की भागीदारी तभी संभव है यदि हम अधिगम में बच्चों को भागीदार के रूप में शामिल करें और वे मात्र

सूचना के ग्राही नहीं बनें। ये लक्ष्य विद्यालय की दैनिक दिनचर्या तथा कार्यशैली में पर्याप्त बदलाव लाते हैं। प्रतिदिन की समय तालिका में नम्यता गतिविधियों के कार्यान्वयन में सक्रियता बनाए रखने के लिए अनिवार्य होगी और अध्यापन और प्रशिक्षण के लिए अध्ययन दिवसों की आवश्यक संख्या को बढ़ाया जाएगा।

कार्यपुस्तिका के बारे में

यह कार्य पुस्तिका आपको दक्षता इकाई **एचएसएस 201 – एनक्यू 2012 : अस्पताल की संरचना और कार्य** पूरा करने में सहायता देने के लिए है। आपको कक्षा कक्ष में, कार्यस्थल पर या आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में अपने समय के अनुसार इसे इस्तेमाल करना चाहिए। इस कार्यपुस्तिका में दिए गए अनुभागों से दक्षता की इकाई के विभिन्न पक्षों पर संगत ज्ञान और कौशल (मृदु और कठोर) अर्जित करने में आपको सहायता मिलेगी। प्रत्येक सत्र इतना छोटा है कि इसे आसानी से अगले सत्र पर जाने से पहले समझा और अपनाया जा सकता है। दृश्य के माध्यम से जानकारी देने और पाठ को जीवंत तथा आपके लिए अंतः क्रियात्मक बनाने हेतु एनिमेटिड तस्वीरें और फोटो शामिल किए गए हैं। आपकी कल्पना का उपयोग करते हुए आप स्वयं अपने कुछ चित्र बनाने का प्रयास कर सकते हैं या अपने अध्यापक की सहायता ले सकते हैं। आइए अब देखें कि इन सत्रों के अनुभागों में आपके लिए क्या जानकारी है।

अनुभाग 1 : परिचय

इस अनुभाग में आपको इकाई के विषय का परिचय दिया गया है। इसमें आपको बताया गया है कि आप इकाई में शामिल विभिन्न सत्रों में क्या सीखेंगे।

अनुभाग 2 : संगत ज्ञान

इस अनुभाग में आपको सत्र में शामिल किए गए विषयों पर संगत जानकारी दी गई है। इस अनुभाग के माध्यम से विकसित ज्ञान से आप कुछ गतिविधियों के निष्पादन कर सकेंगे। आपको अभ्यास पूरा करने से पहले विषय के विभिन्न पक्षों पर एक समझ विकसित करने के लिए पर्याप्त सूचना पढ़नी चाहिए।

अनुभाग 3 : अभ्यास

प्रत्येक सत्र में अभ्यास होते हैं, जिन्हें आप समय पर पूरा करें। आप कक्षा कक्ष में, घर में या कार्य स्थल पर इन गतिविधियों का निष्पादन करेंगे। इस अनुभाग में शामिल की गई गतिविधियों से आपको अनिवार्य ज्ञान, कौशल और मनोवृत्ति के विकास में सहायता मिलेगी जिनकी आवश्यकता आपको कार्यस्थल पर कार्यों के निष्पादन में सक्षमता पाने के लिए है। गतिविधियां आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के पर्यवेक्षण में की जानी चाहिए जो आपको कार्यों को पूरा करने का मार्गदर्शन तथा आपके निष्पादन में सुधार के लिए प्रतिक्रिया भी देंगे। इसे प्राप्त करने के लिए आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के परामर्श से एक समय तालिका बनाएं और निर्दिष्ट स्तरों या मानकों का पालन कठोरतापूर्वक करें। यदि आपको समझाई गई कोई बात स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आती है तो बेहिचक अपने अध्यापक या प्रशिक्षक से पूछें।

अनुभाग 4 : मूल्यांकन

इस अनुभाग में शामिल किए गए समीक्षा प्रश्नों से आपको अपनी प्रगति की जांच करने में सहायता मिलेगी। आपको अगले सत्र में जाने से पहले इन सभी प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होना चाहिए।

सत्र 1 : अस्पतालों की भूमिकाओं और कार्यों को समझना

संगत ज्ञान

लोगों की जरूरतें पूरी करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य केंद्रों में उन्हें स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। एक अस्पताल बीमारी की चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल के लिए एक संस्था है और यहां जटिलताओं के बहुत अधिक जोखिम के साथ जटिल सेवाओं के घायल व्यक्तियों की देखभाल की जाती है। अस्पताल बीमार और घायल व्यक्तियों की देखभाल के संगठित संस्थान हैं।

इस सत्र में आप अस्पताल की विभिन्न भूमिकाओं और कार्यों के बारे में सीखेंगे। **अस्पताल** शब्द लेटिन शब्द ''हा स्पिटेलिज़'' से लिया गया है जो ''होस्पेस'' से आता है जिनका अर्थ ''होस्ट''। अंग्रेजी शब्द ''हा स्पिटल'' फ्रेंच शब्द ''हा स्पिटेल'' से लिया गया है, सभी लेटिन से मूलभूत रूप से लिए गए हैं। तीन शब्द हा स्पिटल, हा स्टल और हा टल हैं, जो एक ही स्रोत से आते हैं और इनका उपयोग अलग अलग अर्थ के लिए किया जाता है। शब्द हा स्पिटल का अर्थ है बीमार और घायल व्यक्तियों के लिए अस्थायी रूप से रहने का एक स्थान। अतः हा स्पिटल शब्द में एक ऐसे संस्थान का संदर्भ मिलता है जहां बीमार या घायल व्यक्तियों की देखभाल उनकी बीमारी और रोग के लिए की जाती है और उनका इलाज किया जाता है।

परिभाषा

अस्पताल बीमार और घायल व्यक्तियों की देखभाल, उनके ठीक होने और इलाज का स्थान है, जहां उनके रोग का अध्ययन किया जाता है और डा क्टरों तथा नर्सों का प्रशिक्षण होता है (स्टेडमैन की मेडिकल डिक्शनरी)। पुराने दिनों में, अस्पताल गृह विहीन लोगों के रहने का अतिथि गृह एवं यात्रियों के इलाज का स्थान होता था। आधुनिक समय में अस्पताल का मुख्य कार्य बीमार व्यक्ति की देखभाल और इलाज करना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार शब्द ''अस्पताल'' एक ऐसा संस्थान जो रोगियों की चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल आंतरिक तौर पर प्रदान करता है। यह आगे इस परिभाषा में उन सभी अस्पतालों को शामिल करता है, जहां अतिरिक्त कार्य किए जाते हैं, अर्थात सुधारात्मक, पुनर्वास और रोकथाम के सेवाएं, जो प्रत्यक्ष या परामर्श की क्षमता में प्रदान किए जाते हैं और साथ ही इसमें कार्मिकों के प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य भी किए जाते हैं।

अस्पताल के प्रकार

1. **सामान्य (जनरल) अस्पताल :** इन अस्पतालों में सामान्य रोगों का इलाज किया जाता है। सामान्य अस्पताल का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है, जबकि अध्यापन द्वितीयक है। उदाहरण के लिए तालुका मुख्यालय अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र (पीएचसी) आदि।

2. **विशेषज्ञता अस्पताल :** इन अस्पतालों में एक विशेष क्षेत्र में चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल प्रदान की जाती है, उदाहरण के लिए नेत्र रोग के अस्पताल (आंखों से संबंधित समस्याओं से निपटना), आर्थोपेडिक अस्पताल (जहां हड्डी से संबंधित समस्याओं से निपटा जाता है), कार्डियक अस्पताल (हृदय संबंधित समस्याओं से निपटा जाता है), आदि।

3. **आइसोलेशन अस्पताल :** यह ऐसा अस्पताल है जहां अलग रखने की आवश्यकता वाले व्यक्ति या संचारी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाता है।

4. **अध्यापन अस्पताल :** अध्यापन अस्पताल का प्राथमिक उद्देश्य डा क्टरों का अध्यापन और प्रशिक्षण है। उदाहरण के लिए मेडिकल का लेज।

5. **ग्रामीण अस्पताल :** ये अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होते हैं, यहां स्थायी रूप से कम से कम एक या अधिक डा क्टर होते हैं, जो आंतरिक रोगी की सुविधा तथा एक से अधिक प्रकार के चिकित्सा विषयों के लिए चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल प्रदान करते हैं।

अस्पताल में विभाग

अस्पताल में आम तौर पर निम्नलिखित विभाग होते हैं :

1. **बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) :** शब्द रोगी का अर्थ है ''जिसे कष्ट है'' और अंग्रेजी का पेशेंट शब्द लेटिन भाषा के पेशेंस से बना है जिसका अर्थ होता है ''मुझे कष्ट है''। एक **बाह्य रोगी** ऐसा रोगी है जिसे 24 घण्टे या इससे अधिक समय के लिए अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया, किंतु वह अपने निदान या इलाज के लिए एक अस्पताल, क्लिनिक या इससे जुड़ी सुविधा में जाता है। इस प्रकार किया जाने वाला इलाज **''चल देखभाल''** कहलाता है। अस्पताल में दाखिल करने के लिए ''दाखिला टिप्पणी'' तैयार करना शामिल है। अस्पताल से जाने को आधिकारिक तौर पर छुट्टी मिलना (डिस्चार्ज) कहते हैं और इसमें **''डिस्चार्ज नोट''** प्रस्तुत किया जाता है।

2. **अंतः रोगी विभाग (आईपीडी) :** एक अंतः रोगी को अस्पताल में भर्ती किया जाता है और वह पूरी रात या अनिश्चित समय के लिए यहां भर्ती रहता है, जो कुछ दिनों से लेकर सप्ताह तक होता है। इस प्रकार दिया जाने वाला इलाज **''अंतः रोगी देखभाल''** कहलाता है।

3. **चिकित्सा विभाग :** चिकित्सा विभाग में यह शामिल हो सकता हैं किंतु निम्नलिखित इस तक सीमित नहीं हैं।
    3.1 **आंतरिक रोग विभाग :**

इस विभाग में कार्डियोला जी (हृदय से संबंधित), त्वचा विज्ञान (त्वचा से संबंधित), मधुमेह (अग्न्याशय से संबंधित), अंतः स्रावी ग्रंथी (हार्मोन से संबंधित), पाचन तंत्र (रक्त से संबंधित), रुधिर रोग, संक्रामक रोग, आंतरिक रोग, गुर्दा और मूत्रविज्ञान इकाई, तंत्रिका विज्ञान (मस्तिष्क और तंत्रिकाओं से संबंधित) मनोरोग क्लिनिकल, और रियूमेटिक रोग (जोड़ों और संयोजी ऊतकों से संबंधित) विशेषताएं शामिल की गई हैं।

3ण्2 **सर्जरी विभाग :** इस विभाग में सामान्य शल्य चिकित्सा यूनिट, हड्डी रोग यूनिट, यूरिनरी ट्रैक सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, मस्तिष्क और तंत्रिका विज्ञान सर्जरी, बच्चों की सर्जरी, नेत्र शल्य चिकित्सा, और कान, नाक, गला (ईएनटी) सर्जरी शामिल हैं।

3ण्3 **एनेस्थेसिया :** इस विभाग के डा क्टर आ परेशन के लिए एनेस्थेटिक्स देते हैं।

3ण्4 **स्त्रीरोग विभाग :** इन विभागों में महिला मूत्र मार्ग और प्रजनन अंगों की समस्याओं की जांच और इलाज किया जाता है।

3ण्5 **बाल चिकित्सा विभाग :** इस विभाग में शिशुओं, बच्चों तथा किशोरों की चिकित्सा देखभाल की जाती है और आमतौर पर इनकी आयु जन्म से 18 वर्ष तक होती है।

3ण्6 **दंत चिकित्सा विभाग :** यह निदान, रोकथाम और रोगों के उपचार, विकारों और मौखिक गुहा की स्थिति, विशेष रूप से दांत, और जबड़े और चेहरे पर एक हद तक संबंधित स्थितियों के लिए कार्य करता है।

3ण्7 **आपातकालीन विभाग :** एक आपातकालीन विभाग को एक दुर्घटना तथा आपातकालीन विभाग, अस्पताकालीन कक्ष या घायल रोगी विभाग कहा जाता है, जहां रोगियों की गंभीर रूप से देखभाल करने में विशेषज्ञता की चिकित्सा सुविधाएं होती हैं, जो पहले से समय लिए बिना इलाज करने के लिए या अपने आप एम्बुलेंस द्वारा लाए जाते हैं।

3ण्8 **नर्सिंग :** नर्सिंग विभाग में सभी इकाइयों को आंतरिक रोगी की विशेष सेवाएं प्रदान करने के अलावा सभी रोगियों को सामान्य एवं विशेष क्लिनिक की सेवाएं दी जाती हैं।

4ण्0 समर्थनकारी विभाग

4ण्1 **कैटरिंग और आहार सेवा :** यह विभाग आंतरिक रोगियों एवं उनके साथ आने वाले व्यक्तियों तथा अस्पताल के कर्मचारियों को केटरिंग और आहार सेवाएं प्रदान करता है।

4ण्2 **केंद्रीय कीटाणुशोधन और विसंक्रमण :** यह विभाग केंद्रीय विसंक्रमण और अस्पताल कीटाणु शोधन से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करने में शामिल है।

4ण्3 **सफाई और ला न्ड्री :** यह विभाग अस्पताल को साफ बनाए रखने तथा ला न्ड्री सेवाएं प्रदान करने के सभी प्रचालनों एवं प्रक्रियाओं में शामिल है।

4ण्4 **शैक्षिक कार्य विभाग :** इस इकाई की गतिविधियों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन और शैक्षिक कार्यक्रमों की तैयारी तथा जन शक्ति का विकास शामिल है।

वित्त विभाग : यह विभाग बजट से संबंधित कार्य करता है, पे रोल तैयार करता है और प्रचालन तथा रखरखाव की संविदाओं एवं मासिक पारिश्रमिक के कार्य करता है। यह सामग्री और उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक धन राशि उपलब्ध कराता है।

मानव संसाधन विभाग : यह विभाग प्रबंधन और प्रचालन से संबंधित सभी विशेषज्ञताओं में कार्य करने के लिए मानव संसाधन की नियुक्ति का कार्य करता है। यह कर्मचारियों के अधिकारों को बनाए रखने की नीतियों तथा प्रक्रियाओं पर लागू है।

प्रयोगशाला और ब्लड बैंक : यह विभाग अस्पताल और प्राथमिक देखभाल क्लिनिक में बीमार रोगियों की चिकित्सा देखभाल की जांच प्रयोगशाला के तहत आता है।

चिकित्सीय रखरखाव और अभियांत्रिकी : चिकित्सा रखरखाव और अभियांत्रिकी विभाग अस्पताल की सुविधाओं और उपकरणों को चलाने की स्थिति में बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह वर्कशा प, वर्कशा प की एयरकंडिशनिंग, बिजली, प्लम्बिंग, स्टील कार्य और जा इनरी सहित इन सुविधाओं के रखरखाव के दैनिक प्रचालन की सुविधा प्रदान करता है।

चिकित्सीय रिका र्ड विभाग : इस विभाग में बाहरी रोगी और अंतः रोगी के चिकित्सा रिका र्ड (फाइल) रखे जाते हैं।

रोगी सेवा विभाग : यह रोगियों के कल्याण से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है और उन्हें अस्पताल में रेफरल की प्रक्रियाओं तथा आवश्यकताओं की सुविधा प्रदान करता है। इस इकाई में विभिन्न चिकित्सा विभागों के अंदर रोगियों के आरक्षण और भर्ती का समन्वय, तैयारी और व्यवस्था की जाती है।

फार्मेसी : यह विभाग विशेषज्ञ डा क्टरों द्वारा लिखी गई दवाएं रोगियों को प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है और यहां दवाओं के लिए प्रयुक्त सावधानियों और व्यावसायिक नियमों के संगत सेवाओं के प्रावधान होते हैं।

फिजियोथेरेपी विभाग : यह विशेषज्ञ क्लिनिक आंतरिक रोगियों को सेवाएं प्रदान करता है, जिन्हें फिजियोथेरेपी की जरूरत है। व्यावसायिक कार्मिक भौतिक या मानसिक रूप से बीमार लोगों सहित चिकित्सा उपचार के बाद अस्थायी विकलांग व्यक्तियों की मदद करते हैं।

जनसंपर्क विभाग : जनसंपर्क विभाग अस्पतालों की गतिविधियों का मीडिया कवरेज करने के साथ दौरे, बैठकें, सम्मेलन आदि आयोजित करता है। यह स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों पर लोगों को शिक्षा देने के साथ पुस्तिकाएं, लीफलेट और पोस्टर भी तैयार करता है।

सामुदायिक कार्य विभाग : यह इकाई कुछ रोगियों और उनके परिवारों को सहायता तथा मदद प्रदान करता है जिन्हें सामाजिक, मनोवैज्ञानिक या वित्तीय समस्याएं हैं।

परिवहन विभाग : यह विभाग अस्पताल के कर्मचारियों को परिवहन सेवाएं प्रदान करने और रोगियों को अन्य अस्पतालों तथा रेफरल केंद्रों में ले जाने की सुविधा प्रदान करता है।

4ण16 **एक्स–रे विभाग :** एक्स–रे इकाई में उन्नत एक्स–रे उपकरणों का उपयोग करते हुए रोग का निदान और इलाज करने में चिकित्सा कर्मचारियों को सहायता दी जाती है, जिसमें कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन, डिजिटल एक्स–रे, एण्डोस्कोपी और अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग उपकरण शामिल हैं।

व्यावसायिक

निम्नलिखित व्यावसायिक अस्पताल में उपलब्ध होते हैं :

1ण डा क्टर
2ण नर्स
3ण फार्मासिस्ट
4ण चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन
5ण एक्स रे तकनीशियन
6ण फिजियोथेरेपिस्ट
7ण आहार विशेषज्ञ
8ण चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता

समर्थनकारी कर्मचारी

1ण प्रशासक
2ण प्रबंधक
3ण रिसेप्शनिस्ट
4ण कुक
5ण कुक हेल्पर
6ण डेटा एंट्री आ परेटर
7ण धोबी
8ण परिचर
9ण सेनेटरी कार्यकर्ता
10ण सुरक्षा गार्ड

अभ्यास

1ण नज़दीकी अस्पतालों में जाएं और विभिन्न विभागों और उनके कार्यों का अध्ययन करें। कुछ विभागों को तालिका में सूचीबद्ध किया गया है। आप अस्पताल के आकार पर निर्भर करते हुए कुछ अधिक विभागों को जोड़ सकते हैं।

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य
1ण	बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) :	
2ण	अंतः रोगी विभाग (आईपीडी) :	
3ण	चिकित्सा विभाग :	
4ण	नर्सिंग विभाग	

5ण	फार्मामेडिकल विभाग	
6ण	पैथोला जी विभाग	
7ण	शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग	
8ण	आ परेशन थिएटर	
9ण	फार्मेसी विभाग	
10ण	रेडियोला जी विभाग	
11ण	आहार विशेषज्ञ विभाग	

2ण नज़दीकी अस्पताल में जाएं और निम्नलिखित चिकित्सा व्यावसायिकों की भूमिकाओं और कार्यों का अध्ययन करें तथा नीचे दी गई तालिका भरें :

क्र. सं.	व्यावसायिक	कार्य
1ण	डा क्टर	
2ण	नर्स	
3ण	फार्मासिस्ट	
4ण	चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन	
5ण	एक्स-रे तकनीशियन	
6ण	फिजियोथेरेपिस्ट	
7ण	आहार विशेषज्ञ	
8ण	चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता	

3ण नज़दीकी अस्पताल में जाएं और समर्थनकारी कर्मचारी की भूमिकाओं और कार्यों का अध्ययन करें तथा नीचे दी गई तालिका भरें :

क्र. सं.	कर्मचारी	कार्य
1ण	प्रशासक	
2ण	प्रबंधक	
3ण	रिसेप्शनिस्ट	
4ण	कुक	
5ण	कुक हेल्पर	
6ण	डेटा एंट्री आ परेटर	
7ण	वा शरमैन	
8ण	अटेंडेंट	
9ण	स्वच्छता कार्यकर्ता	
10ण	सुरक्षा गार्ड	

आकलन

ण लघु उत्तर प्रश्न

क) अस्पताल की मूलभूत भूमिका और कार्य क्या है?

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

ख) अस्पताल के तीन चिकित्सा व्यावसायिकों के नाम बताएं।

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

ग) अस्पताल के कोई पांच चिकित्सा विभागों के नाम बताएं।

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

घ) अस्पताल के कोई पांच समर्थनकारी कर्मचारी के नाम बताएं।

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

III) रिक्त स्थान भरें

1) हा सपेस शब्द लेटिन का अर्थ ....है।
2) हा स्पिटल शब्द लेटिन का अर्थ .... है।
3) आ र्थोपेडिक अस्पतालों में .... से संबंधित समस्याओं का इलाज होता है।
4) ईएनटी का अर्थ है .... नाक और गला होता है।
5) चिकित्सा महाविद्यालय ....अस्पताल का एक उदाहरण है।
6) बाल रोग विभाग में ...., बच्चों और किशोरों की समस्याओं का इलाज होता है।

आकलन गतिविधियों के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं :

भाग क

निम्नलिखित के बीच अंतर बताएं :

1) चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल
2) सामान्य अस्पताल और विशेष अस्पताल
3) विशेष अस्पताल और अलगाव अस्पताल
4) बाह्य रोगी और अंतः रोगी।

भाग ख

कक्षा में निम्नलिखित चर्चा की गई :

1. हमें अस्पताल की आवश्यकता क्यों है ?
2. अस्पताल की भूमिका और कार्य क्या है ?
3. अच्छे अस्पताल की चारित्रिक विशेषताएं क्या है ?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानक में यह शामिल हो सकता हैं किंतु यह इस तक सीमित नहीं हैं।

निष्पादन मानक	**हां**	**नहीं**
अस्पताल के विभिन्न प्रकारों की पहचान करें।		
अस्पताल में विभाग की भूमिका और कार्यों के ज्ञान का प्रदर्शन करें।		
अस्पताल में चिकित्सा व्यावसायिकों और समर्थनकारी कर्मचारी की भूमिका और कार्यों के ज्ञान का प्रदर्शन करें।		

सत्र 2 : अस्पताल में समर्थनकारी विभाग की भूमिका को समझना

संगत ज्ञान

इस सत्र में आप एक अस्पताल के विभिन्न समर्थनकारी विभाग / अनुभाग की भूमिकाओं और कार्यों तथा कर्मचारी सदस्यों द्वारा प्रयुक्त उपकरण एवं सहायक सामग्रियों के उपयोग के बारे में सीखेंगे ।

रसोई / आहार विभाग

आहार विभाग पर डा क्टर द्वारा बताई गई बातों और उनकी जरूरतों के अनुसार रोगियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण आहार सेवाएं प्रदान करने का दायित्व होता है। यह विभाग रोगियों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अपने उचित आहार के विषय में सिखाने के लिए जिम्मेदार होता है।

एक आहार संबंधी कर्मचारी पर लगभग 15 से 20 रोगियों की जिम्मेदारी होती है। आहार विशेषज्ञ, आहार स्टोर कीपर, कुक, कुक सहायक और डिश वा शर को इस विभाग में नियुक्त किया जाता है। एक आहार विशेषज्ञ 200 बिस्तरों तक की देखभाल करता है। एक कुक, एक कुक सहायक, एक बैरा और डिश वा शर 20 रोगियों / कर्मचारियों का भोजन बनाने और परोसने के लिए पर्याप्त होते हैं। खाद्य सेवा विभाग पूरे वर्ष कार्य करता है।

सफाई और ला न्ड्री विभाग

सफाई और ला न्ड्री विभाग अस्पताल के पूरे लिनन की देखभाल करता है। इसके निम्नलिखित कार्य हैं :

1. गंदे लिनन को वा श करना
2. फटे हुए लिनन की मरम्मत करना
3. पुराने लिनन को बदलना

एक ला न्ड्री आ परेटर 25 से 30 बिस्तरों के लिनन की धुलाई करता है एक ला न्ड्री अर्दली 50 – 60 बिस्तरों की धुलाई में सहायता दे सकता है। ला न्ड्री सुपरवाइजर, मैकेनिक और क्लर्क की नियुक्ति अस्पताल के आकार पर निर्भर करती है। प्रत्येक पारी में एक सुपरवाइजर, एक ला न्ड्री मैकेनिक और एक ला न्ड्री क्लर्क की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति प्रति दिन 150 से 200 कि. ग्राम लिनन की धुलाई कर सकता है।

आ परेशन थिएटर में प्रत्येक आ परेशन के बाद 7 – 8 कि. ग्रा. गंदे लिनन निकलते हैं। प्रसव कक्ष में प्रत्येक प्रसव के बाद 7 – 8 कि. ग्रा. गंदे लिनन निकलते हैं। प्रत्येक वार्ड में रोगी से 6 – 6 कि. ग्रा. गंदे लिनन निकलते हैं।

सफाई कार्य

हाउसकीपिंग विभाग का मुख्य कार्य अस्पताल को साफ रखना है। हाउसकिपिंग के प्रभारी को बैक्टिरियोला जी के बारे में कुछ सरल तथ्यों को जानना चाहिए। स्वच्छता प्रभारी को अपने कर्मचारियों को सफाई की ऐसी तकनीकों का प्रशिक्षण देना चाहिए जिससे रोगों के फैलाव की रोकथाम हो सके, क्योंकि सभी प्रकार के सफाई कार्यों का अर्थ है ऐसे आ र्गानिक पदार्थ को हटाना जहां बैक्टीरिया पैदा होते हैं। एक सेनिटरी अटेंडेंट को 1200 से 1500 वर्ग फीट का कार्य क्षेत्र आबंटित करना चाहिए, जो अस्पताल की नीतियों, सफाई की आवश्यकता और बिजली से चलने वाले सफाई उपकरणों के अनुसार होता है, जैसा स्क्रबिंग मशीन, वैक्यूम क्लिनर आदि। एक नर्सिंग इकाई के लिए एक सेनिटरी अटेंडेंट को हर समय सफाई करने के आधार पर 10 से अधिक बिस्तरों की देखभाल करनी होती है। गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) और क्रांतिक देखभाल इकाई (सीसीयू) की जरूरत होती है, अतः वहां अधिक सेनिटरी अटेंडेंट तैनात किए जाते हैं। आम तौर पर 10 सेनिटरी अटेंडेंट पर निगरानी के लिए एक सुपरवाइजर होता है। एक अस्पताल में 300 बिस्तर होने पर वहां एक स्वच्छता प्रभारी, चार सुपरवाइजर और 40 सेनिटरी अटेंडेंट होने चाहिए (दैनिक जरूरतों के लिए 30 सेनिटरी अटेंडेंट और आरक्षित अवकाश के रूप में 10 सेनिटरी अटेंडेंट)

बाह्य रोगी विभाग

अधिकांश अस्पतालों में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) होता है। ओपीडी का लाभ यह है कि अधिकांश जांचें और इलाज का कार्य रोगी को भर्ती किए बिना हो सकता है, इस प्रकार चिकित्सा खर्च में कमी आती है। ओपीडी के विस्तार में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. परामर्श और जांच
2. रोकथाम और संवर्धनात्मक स्वास्थ्य देखभाल
3. पुनर्वास सेवाएं
4. स्वास्थ्य शिक्षा
5. काउंसलिंग

ओपीडी अस्पताल के प्रवेश के पास स्थित होता है। इसे आंतरिक रोगी क्षेत्र से अलग होना चाहिए। यहां से चिकित्सा रिका र्ड विभाग (एमआरडी), एक्स-रे, प्रयोगशाला, फार्मेसी और बिलिंग काउंटर तक आसानी से पहुंच होनी चाहिए। इससे आकस्मिक चिकित्सा तक आसानी से पहुंच होनी चाहिए, किंतु इसे आकस्मिक चिकित्सा से अलग होना चाहिए।

प्रयोगशालाएं

एक अस्पताल में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं आमतौर पर पाई जाती हैं :

- **जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला :** यह बैक्टीरिया और उनसे उत्पन्न जहर की जांचें की जाती हैं।
- **क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला :** यह रोगों के जैव चिकित्सा आधार में जांचें और अनुसंधान तथा नई दवाओं के क्लिनिकल परीक्षण का कार्य करती है।
- **रुधिर प्रयोगशाला :** यह हिमोग्लोबिन निर्धारण, कोएगुलेशन समय अध्ययन, लाल और सफेद कोशिकाओं की गणना तथा **एनिमिया, ल्यूकेमिया आदि** के लिए रक्त के विशेष विकृति विज्ञान अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है।
- **परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला :** यहां परजीवियों और परजीवियों के सिस्ट तथा अण्डों की उपस्थिति का अध्ययन किया जाता है जो मल में पाए जाते हैं।
- **ब्लड बैंक :** इसे अस्पताल में इस्तेमाल होने वाले सभी प्रकार के रक्त के संग्रह और प्रसंसाधन की जिम्मेदारी दी जाती है जो ट्रांसफ्यूजन में इस्तेमाल होता है। यहां नवजात शिशुओं पर अध्ययन किया जाता है जिन्हें हिमोलाइटिक रोग है और रोगियों में प्रसव पूर्व एंटीबा डी के अध्ययन किए जाते हैं।

प्रयोगशाला सेवाएं हर समय उपलब्ध होनी चाहिए और प्रयोगशालाएं भू तल पर स्थित होनी चाहिए। प्रयोगशाला सेवाएं बाहरी रोगियों के लिए आसानी से पहुंच योग्य होनी चाहिए।

प्रशासन

पूरे अस्पताल का प्रशासन केवल प्रशासक पर नहीं सौंपा जा सकता। यह चिकित्सा व्यावसायिकों और समर्थन कर्मचारियों का सामूहिक दायित्व है। अस्पताल के आकार पर निर्भर करते हुए प्रशासनिक कर्मचारी यह जिम्मेदारी उठाते हैं, जिसमें प्रशासक, सहायक प्रशासक, व्यापार प्रबंधक और विभागीय प्रमुख शामिल होते हैं।

खरीद विभाग

अस्पताल के लिए सभी आपूर्ति और उपकरण की खरीद के लिए खरीद विभाग जिम्मेदार है।

वित्त और लेखा विभाग

पैसे जमा करना, आपूर्ति और उपकरण के लिए भुगतान करना, अस्पताल वित्त से संबंधित सभी रिका र्डों को रखना, संपत्ति और देनदारी का रिका र्ड रखना, बजट तैयार करने में सहायता करना वित्त और लेखा विभाग की जिम्मेदारी हैं। व्यापार प्रबंधक विभाग के कार्यों के लिए जिम्मेदार है और लेखपाल व्यापार प्रबंधक की सहायता करते हैं।

अभ्यास

1. एक अस्पताल जाएं और अस्पताल के निम्नलिखित विभागों के कार्य लिखें।

ैण्छव्ण	**विभाग का नाम**	**कार्य**
1ण	आहार विभाग	
2ण	ला न्ड्री	
3ण	बाह्य रोगी विभाग	
4ण	प्रयोगशालाएं	
5ण	प्रशासन	

आकलन

ए लघु उत्तर प्रश्न

क) चिकित्सा रिका र्ड विभाग द्वारा प्रदान जाने वाली तीन सेवाओं का वर्णन करें

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

ख) अस्पताल की सफाई पर टिप्पणी लिखें?

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

ग) बाह्य रोगी विभाग द्वारा दी जाने वाली दो सेवाएं बताएं?

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

घ) मान लीजिए कि आप एक जनरल ड्यूटी सहायक हैं और एक रोगी आपके पास आता है और खून की जांच कराने के लिए प्रयोगशाला के बारे में पूछता है। आप क्या करेंगे?

ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ
ऋऋ

एए रिक्त स्थान भरें

1. खून की जांच ..... प्रयोगशाला में की जाती है।
2. एक वा शरमैन .....कि. ग्रा. लिनन प्रति दिन संभाल सकता है।
3. एक सेनिटर अटेंडेंट को .....वर्ग फिट के कार्य क्षेत्र का आबंटन किया जाए, जहां वह अस्पताल की नीतियों का ध्यान रखें।

आकलन गतिविधियों के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं :

भाग क

निम्नलिखित के बीच अंतर बताएं :

1प्रयोगशाला के विभिन्न प्रकारों के कार्य और भूमिकाएं
2प्रशासन और लेखा की भूमिका और कार्य

भाग ख

कक्षा में निम्नलिखित चर्चा की गई :

1. एक अस्पताल को इतने विभागों और अनुभागों की जरूरत क्यों होती है?
2. अस्पताल में अलग अलग प्रकार की प्रयोगशालाओं को बनाने की क्या जरूरत है?
3. अस्पताल में इतनी सफाई और स्वच्छता बनाए रखने की क्या जरूरत है?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानक में यह शामिल हो सकता हैं किंतु यह इस तक सीमित नहीं हैं।

निष्पादन मानक	हां	नहीं
एक अस्पताल में समर्थनकारी विभागों की भूमिकाओं और कार्यों के ज्ञान का प्रदर्शन करें		
अस्पताल की विभिन्न प्रकार की प्रयोगशालाओं की भूमिका और कार्यों के ज्ञान का प्रदर्शन करें		
अस्पताल के विभिन्न विभागों और प्रयोगशालाओं में कमांड की चेन बनाएं।		

सत्र 3 : अस्पतालों का वर्गीकरण

संगत ज्ञान

इस सत्र में आप अस्पताल के वर्गीकरण के बारे में सीखेंगे। अस्पतालों को विभिन्न मानदण्डों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, जो हैं साइज़ या बिस्तर की क्षमता, स्वामित्व या नियंत्रण, अस्पताल के उद्देश्य।

1. **साइज़ या बिस्तर की क्षमता :** अस्पताल के साइज़ का निर्धारण उसमें मौजूद बिस्तरों की संख्या से किया जाता है। बिस्तर की क्षमता के आधार पर अस्पतालों को इस प्रकार बांटा जा सकता है :

1. छोटे अस्पताल – बिस्तर की क्षमता 100 या कम बिस्तर
2. मध्यम अस्पताल – बिस्तर की क्षमता 101 से 300 बिस्तर
3. बड़े अस्पताल – बिस्तर की क्षमता 301 से 1000 बिस्तर।

अस्पतालों के विभिन्न प्रकारों में बिस्तर की संख्या निम्नानुसार होती हैं :

1. शिक्षण और रेफरल अस्पताल – 200 से 300
2. जिला अस्पताल – 50 से 200
3. तालुका अस्पताल – 50 से 200
4. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – 30 से 50
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र – 6 से 10

2. **स्वामित्व या नियंत्रण :** स्वामित्व या नियंत्रण के आधार पर अस्पतालों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है :

    1. **सरकारी या सार्वजनिक अस्पताल :** ये केंद्रीय या राज्य सरकारों या गैर वाणिज्यिक आधार पर स्थानीय निकायों द्वारा चलाए जाते हैं। ये सरकार द्वारा वित्त पोषित किए जाते हैं। ये सामान्य या विशेष अस्पताल हो सकते हैं।

    2. **गैर–सरकारी अस्पताल :** इन्हें क्लाइंट द्वारा दिए गए शुल्क, दान या धर्मार्थ दान (व्यक्तियों या संस्थानों को दान की गई निधि या संपत्ति से संबंधित) से समर्थन दिया जाता है। गैर सरकारी अस्पतालों को पुनः स्वामित्व या अलाभकारी संगठन में बांटा जाता है। स्वामित्व वाले अस्पतालों पर व्यक्तियों, भागीदारी या का पोरेशन का स्वामित्व होता है, जिसके लाभांश को भागीदारों के बीच बांटा जाता है। इन्हें निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :

क) स्वैच्छिक अस्पताल : इन्हें संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 या लोक न्यास अधिनियम 1882 या अन्य किसी केंद्रीय या राज्य सरकार के तहत शामिल किया जाता है। ये गैर वाणिज्यिक आधार पर सार्वजनिक या निजी धन द्वारा चलाए जाते हैं।

ख) निजी नर्सिंग होम/अस्पताल : इनमें आम तौर पर व्यक्तिगत डा क्टर या डा क्टरों के समूह का स्वामित्व होता है और ये वाणिज्यिक आधार पर चलाए जाते हैं।

ग) का पोरेट अस्पताल : ये कंपनी अधिनियम के तहत गठित पब्लिक लिमिटेड कंपनियां हैं और वाणिज्यिक आधार पर चलाई जाती हैं। वे सामान्य या विशेष या दोनों हो सकते हैं।

3. **अस्पताल के उद्देश्य :** उद्देश्यों के आधार पर अस्पतालों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है :

1. **अध्यापन-सह-अनुसंधान अस्पताल :** अध्यापन अस्पताल का प्राथमिक उद्देश्य डा क्टरों का अध्यापन और प्रशिक्षण है। स्वास्थ्य देखभाल द्वितीयक कार्य है। उदाहरण के लिए मेडिकल का लेज।
2. **सामान्य (जनरल) अस्पताल :** इन अस्पतालों में सामान्य रोगों का इलाज किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है, जबकि अध्यापन द्वितीयक है।
3. **विशेषज्ञता अस्पताल :** इन अस्पतालों में एक विशेष क्षेत्र में चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल प्रदान की जाती है, उदाहरण के लिए नेत्र रोग के अस्पताल, कार्डियक अस्पताल आदि।
4. **आइसोलेशन अस्पताल :** यह ऐसा अस्पताल है जहां अलग रखने की आवश्यकता वाले व्यक्ति या संचारी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाता है।
5. **ग्रामीण अस्पताल :** ये अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होते हैं, यहां स्थायी रूप से कम से कम एक या अधिक डा क्टर होते हैं, जो आंतरिक रोगी की सुविधा तथा एक से अधिक प्रकार के चिकित्सा विषयों के लिए चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल प्रदान करते हैं।

4. **प्रणाली :** दवाओं के आधार पर अस्पतालों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है :

1. **दीर्घ-अवधि देखभाल अस्पताल या चिरकालिक देखभाल अस्पताल :** इसमें क्लाइंट लंबे समय तक अस्पताल में रहता है और उसका रोग चिरकालिक प्रकार का हो सकता है (चिरकालिक रोग लंबे समय तक चलने वाली स्थिति है, जिसे नियंत्रित किया जा सकता है किंतु ठीक नहीं किया जा सकता) उदाहरण के लिए कुष्ठ (कुष्ठ रोग एक ऐसा संक्रामक रोग है जो गंभीर हो जाता है और इससे त्वचा में विकृति, घाव और हाथों तथा पैरों की तंत्रिकाओं को नुकसान होता है।), कैंसर आदि।

2. **लघु - अवधि देखभाल अस्पताल या गंभीर देखभाल अस्पताल :** इस प्रकार के अस्पताल में क्लाइंट कम अवधि के लिए रहता है और रोग आम तौर पर गंभीर प्रकार का होता है, उदाहरण के लिए निमोनिया, गैस्ट्रोएंटेराइटिस।

5. **प्रबंधन :** प्रबंधन के आधार पर अस्पतालों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है :

1. **संघ सरकार / भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाले अस्पताल :** ये अस्पताल भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। उदाहरण के लिए, रेलवे और सेना द्वारा चलाए जाने वाले अस्पताल।

2. **राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले अस्पताल :** ये अस्पताल हैं जो राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित और प्रशासित हैं।

3. **स्थानीय निकायों द्वारा चलाए जाने वाले अस्पताल :** उदाहरण के लिए नगर पालिका, जिला परिषद्, पंचायत, आदि द्वारा चलाए जा रहे अस्पताल हैं।

4. **स्वशासी निकाय :** इन अस्पतालों का संचालन अस्पताल संचालक मंडल की जिम्मेदारी है, आम तौर पर सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है। अधिक दक्ष निष्पादन तथा प्रबंधन द्वारा अधिक स्व निर्णय के लिए कार्मिक प्रशासन और बजट प्रशासन के विषय में प्रबंधन का प्राधिकार शासी मंडल के पास होता है।

5. **निजी अस्पताल :** एक निजी अस्पताल एक लाभकारी कंपनी या एक गैर लाभकारी संगठन के स्वामित्व में होता है और निजी तौर पर रोगियों को स्वयं द्वारा चिकित्सा सेवाओं के लिए भुगतान के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

6. **स्वैच्छिक अस्पताल :** यह स्वैच्छिक योगदान द्वारा समर्थित एक अस्पताल है और एक स्थानीय के नियंत्रण के तहत होता है, आम तौर पर बोर्ड आ फ गवर्नर की अपने आप नियुक्ति की जाती है।

चिकित्सा देखभाल स्तर

प्रथा के अनुसार यह 4 स्तरों अर्थात, प्राथमिक, माध्यमिक, तृतीयक और चतुर्धातुक देखभाल के स्तर पर स्वास्थ्य सेवा का वर्णन करने के लिए दर्शाया जाता है। ये स्तर विभिन्न प्रकार की जटिलताओं के अनुसार देखभाल के विभिन्न प्रकार दर्शाते हैं।

1. **प्राथमिक देखभाल स्तर :** प्राथमिक देखभाल प्रदाता डा क्टर, नर्स या चिकित्सा सहायक हो सकते हैं। प्राथमिक देखभाल प्रदाता व्यक्तियों, परिवार और समुदाय के साथ संपर्क का पहला स्तर है, जहां ''प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल'' (अनिवार्य स्वास्थ्य देखभाल) प्रदान की जाती है। देखभाल के स्तर के अनुसार यह लोगों के समीप होता है, जहां उनकी अधिकांश स्वास्थ्य समस्याओं का निपटान किया जाता है और उन्हें सुलझाया जाता है। इस स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की जरूरतों और सीमाओं के संदर्भ में सर्वाधिक प्रभावी होती है।

   भारतीय संदर्भ में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों (पीएचसी) और उनके उपकेंद्रों द्वारा बहु प्रयोजनों स्वास्थ्य कार्मिकों, ग्राम स्वास्थ्य मार्ग दर्शकों और प्रशिक्षित दाई के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के अलावा गांव में ''स्वास्थ्य देखभाल केंद्र'' ग्रामीण जनों और संगठित स्वास्थ्य केंद्र के बीच सांस्कृतिक तथा संचार के अंतर को भी दूर करते हैं।

2. **माध्यमिक देखभाल स्तर :** देखभाल का अगला उच्च स्तर माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल का स्तर होता है। इस स्तर पर अधिक जटिल समस्याओं को निपटाया जाता है। भारत में, इस प्रकार की देखभाल आम तौर पर जिला अस्पतालों और समुदाय स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में प्रदान की जाती है, जो प्रथम संदर्भ स्तर के रूप में भी कार्य करते हैं। माध्यमिक देखभाल को सरल अर्थों में इस प्रकार समझाया जा सकता है कि आपकी देखभाल एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाएगी जो कुछ विशेष प्रकार की विशेषज्ञता रखता है। ये विशेषज्ञ या तो शरीर के एक विशेष तंत्र या एक विशेष रोग या स्थिति पर फोकस करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि हृदय और उसकी पम्पिंग प्रणाली में समस्या है तो क्लाइंट को कार्डियोला जिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) से संपर्क करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को हार्मोन प्रणाली से जुड़ी समस्या है और कुछ विशेष प्रकार के रोग जैसे डायबिटीज़ या थायरा इड रोग है तो उसे एण्डोक्राइनोला जिस्ट से संपर्क करना होता है।

3. **तृतीयक देखभाल स्तर :** तृतीयक स्तर पर माध्यमिक देखभाल स्तर से कुछ विशेष प्रकार की देखभाल प्रदान की जाती है और इसमें उच्च विशेषज्ञता वाले स्वास्थ्य कार्मिकों द्वारा इलाज के साथ विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। यह देखभाल क्षेत्रीय या मध्य स्तर के संस्थान प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी के लिए बहुत अधिक विशेष प्रकार के उपकरण तथा विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

4. **चतुर्थ देखभाल स्तर :** चतुर्थ स्तर की देखभाल वास्तव में तृतीयक स्तर का विस्तार है और यह अधिक विशेषज्ञ और आम तौर पर सामान्य से हटकर होती है, अतः प्रत्येक अस्पताल या चिकित्सा केंद्र में चतुर्थ देखभाल का स्तर प्रदान नहीं किया जाता। इसमें प्रायोगिक दवा और प्रक्रियाएं शामिल होती हैं।

अभ्यास

1. किन्हीं 03 अस्पतालों के दौरे करें और नीचे दी गई तालिका में जानकारी भरें :

अस्पतालों के नाम :

स्वामित्व के प्रकार	
प्रबंधन	
अस्पताल के उद्देश्य	
मेडिसिन प्रणाली	
बिस्तर की क्षमता	
स्वास्थ्य देखभाल का स्तर	
डा क्टरों की संख्या	
नर्सों की संख्या	
जनरल ड्यूटी सहायकों की संख्या	

2. किन्हीं 03 अस्पतालों के दौरे करें और नीचे दी गई तालिका में जानकारी भरें :

अस्पताल का नाम	बिस्तरों की सं.	अस्पताल का प्रकार (छोटा, मध्यम, बड़ा)

आकलन

ण रिक्त स्थान भरें

1ण बहुत विशेष प्रकार का अस्पताल ..... स्तर के तहत आता है।
2ण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बिस्तर की संख्या ..... होती है।

आकलन गतिविधियों के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं :

भाग क

निम्नलिखित के बीच अंतर बताएं :

1ण का पेरिट अस्पताल और स्वैच्छिक अस्पताल।
2ण अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र।

भाग ख

कक्षा में निम्नलिखित चर्चा की गई :

1ण बिस्तर की संख्या के आधार पर अस्पताल कैसे वर्गीकृत किए जाते हैं ?
2ण चिकित्सा देखभाल स्तर पर अस्पताल कैसे वर्गीकृत किए जाते हैं ?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानक में यह शामिल हो सकता हैं किंतु यह इस तक सीमित नहीं हैं।

निष्पादन मानक	हां	नहीं
बिस्तर की संख्या, विशेषज्ञता और चिकित्सा देखभाल के आधार पर अस्पताल के प्रकार को पहचानें।	कार्य की भूमिका	

सत्र 4 : जनरल ड्यूटी सहायक की भूमिका और कार्यों को समझना

संगत ज्ञान

इस सत्र में, आप अस्पताल में जनरल ड्यूटी सहायक / रोगी देखभाल सहायक की भूमिका अ ौर कार्यों के बारे में सीखेंगे।

स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का प्रयोजन समुदाय की कुल स्वास्थ्य जरूरतों को प्रभावी रूप से पूरा करना है। अस्पताल समुदाय के स्वास्थ्य को बनाए रखने और इसमें सुधार लाने के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जीडीए के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं :

- **प्रोत्साहक कार्य :** स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देना लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर नियंत्रण बढ़ाने और स्वास्थ्य में सुधार लाने में सक्षम बनाने की प्रक्रिया है। यह किसी विशेष रोग के प्रति निर्देशित नहीं होता, किंतु इसमें कई तरीकों से मेजबान (क्लाइंट) को सुदृढ़ बनाने का आशय निहित होता है, जैसे स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण में संशोधन, पोषण समर्थन, जीवन शैली और व्यवहार में बदलाव। जीडीए को स्वास्थ्य तथा पोषण के विभिन्न पक्षों के बारे में क्लाइंट को शिक्षित करना होता है। जीडीए द्वारा स्वास्थ्य, इलाज या उपचार तथा जीवन शैली में बदलावों के बारे में जानकारी दी जाती है।

- **निवारक कार्य :** इसमें सामान्य गर्भावस्था और शिशु जन्म के फैलाव का पर्यवेक्षण, बच्चों की सामान्य वृद्धि और विकास का पर्यवेक्षण, संचारी रोगों पर नियंत्रण, लंबे समय तक चलने वाली बीमारी की रोकथाम, स्वास्थ्य शिक्षा सेवाओं, व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान और निवारक स्वास्थ्य जांच शामिल हैं।

- **नैदानिक कार्य :** जीडीए आंतरिक रोगी सेवाओं में रोगी और स्वास्थ्य कार्मिकों की सहायता करता है जिसमें चिकित्सा, सर्जरी और अन्य विशेषज्ञता एवं विशेष नैदानिक प्रक्रियाएं शामिल होती हैं।

- **आपातकालीन सेवा कार्य :** जीडीए दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाओं, महामारी आदी से निपटने के लिए स्वास्थ्य देखभाल दल के सदस्यों के अनुदेशों के अनुसार आपातकालीन सेवाओं में सहायता देता है।

- **देखभाल कर्ता :** जीडीए स्वास्थ्य और कल्याण की प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए क्लाइंट की समग्र स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा करता है। जीडीए विशिष्ट रोग के लिए इलाज प्रदान करता है और क्लाइंट के भावनात्मक और सामाजिक कल्याण को पुनः आरंभ करने के उपाय अपनाता है।

- **संप्रेषक :** एक जीडीए को डा क्टर, नर्स और अन्य कर्मचारियों के साथ प्रभावी रूप से बातचीत करनी होती है, अतः उसके पास संचार के अच्छे कौशल होने चाहिए।

- **उपचारात्मक कार्य :** इसमें स्वास्थ्य देखभाल दल के सदस्यों की सहायता से सभी बीमारियों / रोगों का इलाज शामिल है। जीडीए इन बीमारियों / रोगों के इलाज में नर्स की सहायता करता है।

- **पुनर्वास कार्य :** इसमें भौतिक, मानसिक और सामाजिक पुनर्वास शामिल होता है। जीडीए सुनिश्चित करता है कि क्लाइंट अपनी सामान्य कार्यशैली को अधिक से अधिक दोबारा आरंभ कर सके।

अभ्यास

1. किसी नजदीकी अस्पताल में जाएं और जनरल ड्यूटी सहायक तथा नर्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाएं देखें और नीचे दी गई तालिका में जानकारी भरें :

क्र. सं.	कार्य की भूमिका	जीडीए द्वारा कार्यों का प्रदर्शन
1प	प्रोत्साहक	
2प	निवारक	
3प	निदान	
4प	आपातकालीन सेवाएं	
5प	केयर गिवर	

आकलन

ए लघु उत्तर प्रश्न

क) जीडीए रोगों के प्रसार की रोकथाम में कैसे सहायता कर सकता है?

ऋऋ
ऋ
ऋऋ
ऋ
ऋऋ
ऋ

ख) अस्पताल द्वारा किए जाने वाले निम्नलिखित कार्यों में जीडीए द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका कौन सी है :

1प प्रोत्साहक : ऋऋ
ऋऋ
ऋ

2पउपचारात्मक ऋऋ
ऋऋ
ऋ

3प पुनर्वास : ऋऋ
ऋऋ
ऋ

4प निवारक :
ऋऋ
ऋ

आकलन गतिविधियों के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं :

भाग क

निम्नलिखित के बीच अंतर बताएं :

1. जनरल ड्यूटी सहायक की निवारक और उपचारात्मक भूमिका।

भाग ख

कक्षा में निम्नलिखित चर्चा की गई :

1. एक जीडीए बहुत सारी भूमिका और कार्यों को क्यों निभाएगा?
2. एक जीडीए प्रभावी ढंग से अस्पताल के विभिन्न कार्यों का निर्वहन कैसे कर सकता है?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानक में यह शामिल हो सकता हैं किंतु यह इस तक सीमित नहीं हैं।

निष्पादन मानक	**हां**	**नहीं**
अस्पताल में जीडीए की भूमिका और कार्यों की पहचान करें।		
जीडीए की विभिन्न भूमिका और कार्यो का चित्र बनाकर वर्णन करें।		

सत्र 5 : जनरल ड्यूटी सहायक की विशेषताओं को समझना

संगत ज्ञान

इस सत्र में, आप अस्पताल में जनरल ड्यूटी सहायक / रोगी देखभाल सहायक की विश ोषताओं के बारे में सीखेंगे।

एक स्वास्थ्य दल में उन व्यक्तियों का समूह होता है जो एक क्लाइंट या उसके परिवार को सहायता देने के लिए अपने कौशलों का उपयोग करते हैं। स्वास्थ्य दल में सामान्य तौर पर शामिल कार्मिक हैं चिकित्सक, नर्स, आहार विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट, व्यावसायिक चिकित्सक, पैरामेडिकल टेक्नोला जिस्ट, फार्मेसिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता, आदि।

सेवाओं की प्रभावी प्रदायगी के साथ एक जीडीए में होने वाली विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

- जीडीए को वफादार, ईमानदार, निर्भर करने योग्य और क्लाइंट के इलाज और देखभाल के मामले में डा क्टरों तथा नर्सों के आदेशों को मानने का इच्छुक होना चाहिए। डा क्टर तथा नर्स को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए।
- जीडीए द्वारा नर्स का आदर किया जाना चाहिए और उन्हें पूरा सहयोग देना चाहिए। जीडीए को अपने काम में आने वाली समस्याओं के लिए नर्सों से उसका समाधान मांगना चाहिए। नर्सों और जीडीए पर नर्सिंग अधीक्षक का पूरा नियंत्रण और उनकी जिम्मेदारी होती है।
- कोई जीडीए जो एक दिन भी वरिष्ठ है, उसके साथ आदर का व्यवहार करना चाहिए।
- क्लाइंट अस्पताल में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है। अस्पताल में क्लाइंट के आस पास नया और अपरिचित माहौल होता है। अस्पताल में भर्ती होने के कारण क्लाइंट को अनेक भौतिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। एक जीडीए को यह ध्यान रखना है कि क्लाइंट को यहां घर जैसा अनुभव होना चाहिए। जीडीए को इस नए परिवेश में समायोजित करने और स्वास्थ्य लाभ में क्लाइंट की मदद करनी चाहिए। जीडीए को करुणामय और समझदार होना चाहिए। उसे स्वास्थ्य देखभाल दल द्वारा रखी जानी वाली सावधानी के बारे में क्लाइंट का विश्वास बढ़ाना चाहिए। जीडीए को नर्स-क्लाइंट का अच्छा संबंध बनाने में मदद करनी चाहिए। उसे हमेशा रोगी को उसके नाम से पुकारना चाहिए, बिस्तर के नंबर या रोग से नहीं। उसे विनम्र, उदार और खुशहाल होना चाहिए, किंतु बहुत अधिक अनौपचारिक नहीं होना चाहिए। जीडीए को क्लाइंट के सामने किसी व्यक्तिगत मामले पर चर्चा या धीमी आवाज़ में बात नहीं करनी चाहिए। जीडीए को जाति, नस्ल आदि के विषय में कोई व्यक्तिगत भेदभाव नहीं रखना चाहिए।

जनरल ड्यूटी सहायक की विशेषताएं

जनरल ड्यूटी सहायक को वे सेवाएं प्रदान करनी होती है जिनके लिए कुछ खास विशेषताओं की जरूरत होती है। एक जीडीए को क्लाइंट के प्रति व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करनी होती है, जिसमें सफाई रखना, नहलाना, शैम्पू करना, दाढ़ी

बनाना, नाखून काटना, कपड़े पहनाना, त्वचा की देखभाल आदि शामिल है। प्रभावी व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए एक जीडीए में निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिए :

- अपने साथियों के लिए प्रेम
- ईमानदारी और वफादारी
- अनुशासन और आज्ञाकारिता
- सतर्कता
- तकनीकी क्षमता
- निर्भरता और समायोजन की क्षमता
- विश्वास पैदा करने की क्षमता
- संसाधन संपन्न होना, समय और संसाधनों का प्रबंधन करने में सक्षम
- शिष्टाचार और गरिमा
- सहानुभूति और करुणा
- बुद्धिमानी और सामान्य ज्ञान
- धैर्य और हास्य की भावना
- अच्छा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य
- उदारता
- नम्रता और शांति

अभ्यास

1. जीडीए की तीन अनिवार्य भूमिकाएं और कार्य नीचे दी गई तालिका में लिखें :
2.

स्वास्थ्य दल के सदस्य के समर्थन में जीडीए की भूमिका और कार्य
1.
2.
3.

आकलन

क) जनरल ड्यूटी सहायक की विशेषताओं की सूची बनाएं।

____
____
____

आकलन गतिविधियों के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं :

भाग क

निम्नलिखित के बीच अंतर बताएं :

1. सहनुभूति और करुणा
2. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य
3. नम्रता और उदारता

भाग ख

कक्षा में निम्नलिखित चर्चा की गई :

1. जीडीए को अपने क्लाइंट के साथ सुखद और विनम्र बने रहना महत्वपूर्ण क्यों है?
2. वे गुण कौन से हैं जो रोगी के साथ काम करते हुए जीडीए में होने चाहिए?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानक में यह शामिल हो सकता हैं किंतु यह इस तक सीमित नहीं हैं।

निष्पादन मानक	**हां**	**नहीं**
लोगों के साथ अच्छे संबंध का विकास करने और प्रबंधन के ज्ञान का प्रदर्शन करें।		
व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने की क्षमता का प्रदर्शन करें।		

शब्दावली

प्रशासनिक और लिपिक कर्मचारी	प्रशासनिक और लिपिकीय कार्य करने वाले कर्मचारी
भर्ती मरीज	एक रोगी जो इलाज और / या देखभाल के लिए अस्पताल में दाखिले की प्रक्रिया से गुजरता है।
किशोर	विकास की स्थिति में या प्रक्रिया से गुजरने वाला
उपलब्ध बिस्तर	बिस्तरों की औसत संख्या जो दाखिल किए गए रोगी या प्रतिष्ठान के अंदर निवासी के लिए द्वारा उपयोग के लिए तत्काल उपलब्ध है।
पूरी रात सोने के लिए रोगियों हेतु उपलब्ध औसत बिस्तर	रोगियों के लिए पूरी रात सोने के लिए उपलब्ध बिस्तरों की संख्या, गिनने की अवधि के दौरान औसत
एक ही दिन के लिए रोगियों हेतु उपलब्ध औसत बिस्तर	बिस्तरों, कुर्सियों या ट्रा ली की संख्या जो एक ही दिन के लिए आने वाले रोगियों हेतु उपलब्ध है, गिनने की अवधि के दौरान औसत
जीवाणु विज्ञान	एक विज्ञान जिसमें बैक्टीरिया और औषधि, उद्योग तथा कृषि के साथ इनका संबंध अध्ययन किया जाता है।
देखभाल के प्रकार	देखभाल के प्रकार से देखभाल के लिए दाखिल किए गए रोगी को दी जाने वाली क्लिनिकल सेवा का समग्र प्रकार परिभाषित किया जाता है।
जमावट	एक गाढ़े, जैली के समान या ठोस अवस्था में बदलना।
संचारी रोग	एक संक्रामक रोग का फैलाव (व्यक्ति से व्यक्ति तक) एक प्रभावित व्यक्ति के साथ सीधे संपर्क द्वारा या व्यक्ति के स्रावों या किसी अप्रत्यक्ष तरीके से संपर्क से होने वाला रोग।
उपचारात्मक	रोग या लोगों को ठीक करने में सक्षम
निदान	लक्षणों और संकेतों रोग को पहचानने की कला या गतिविधि
महामारी	एक आबादी, समुदाय या क्षेत्र में एक समय पर मौजूद अप्रारूपिक रूप से बड़ी संख्या पर होने वाला प्रभाव
आंत्रशोध	आमाशय और आंत की अंदरूनी झिल्ली में जलन
सामान्य (जनरल) ड्यूटी सहायक	एक व्यक्ति जो एक पंजीकृत नर्स या लाइसेंस प्राप्त नर्स की निगरानी में बुनियादी नर्सिंग देखभाल प्रदान करता है। एक जीडीए को नर्स का सहायक, नर्सिंग अटेंडेंट, स्वास्थ्य देखभाल सहायक और रोगी देखभाल सहायक भी कहा जाता है।
आश्रय देना	इन्हें निहित करना, या इनका घर, अधिवास या मेजबान बनना
स्वास्थ्य सेवा प्रदाता	स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिक और संस्थानों सहित अस्पताल, क्लिनिक, प्रयोगशालाएं, फिजिशियन, थेरेपिस्ट, घरेलू स्वास्थ्य एजेंसी, कायरोप्रैक्टर (वैद्य), आदि।
रक्त अपघटन रोग	नवजात में होने वाला हिमोलाइटिक रोग (एचडीएन) जो भ्रूण की

	मौत और नवजात शिशुओं की मौत का एक प्रमुख कारण होता है।
समग्र	समग्रता से संबंधित या जुड़ा हुआ या पूरी प्रणाली से संबंधित, विश्लेषण के स्थान पर, इलाज या हिस्सों में विच्छेदन।
अस्पताल	एक शासी निकाय, एक संगठित चिकित्सा और व्यावसायिक कर्मचारी और अंतः रोगी सुविधाएं प्रदान करने वाला एक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र और यहां घायल रोगियों को चिकित्सा, नर्सिंग तथा संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
शिशु	जीवन के प्रथम वर्ष में बच्चा।
नर्स	नर्स एक मान्यता प्राप्त नर्सिंग स्कूल की स्नातक होती है, जो एक राज्य में पंजीकृत नर्स की जरूरतें पूरी करती हैं, जहां उसे कार्य करने का लाइसेंस दिया जाता है।
निमोनिया	फेफड़ों की एक बीमारी जिसे खास तौर पर फेफड़े के ऊतकों में जलन और जमाव से पहचाना जाता है, जिसके बाद बुखार, कंपकपी, खांसी और सांस लेने में कठिनाई होती है और इसका मुख्य कारण संक्रमण है।
निवारक	किसी घटना को होने से या मौजूदा घटना को रोकना
पुनर्वास	किसी व्यक्ति या वस्तु को एक बीमारी, चोट, दवा की समस्या आदि के बाद सामान्य, स्वस्थ स्थिति में वापस लाना।
स्वच्छता	स्वच्छता की परिस्थिति बनाकर रोग की रोकथाम और स्वच्छता को बढ़ावा देना।
विसंक्रमण	जीवित जीवों और खास तौर पर सूक्ष्म जीवों से मुक्त बनाने की प्रक्रिया
संचारण	धमनी या शिरा में तरल भेजने की प्रक्रिया।